MAIN NEWS HEADLINE Big Change In Nifty करीब 3 दशक के बाद निफ्टी-50 स

विषय सूची (Table of Contents):

>> निफ्टी-50 इंडेक्स में बड़ा उलटफेर 3 दशक बाद विप्रो बाहर, बीएसई की शानदार एंट्री...
>> आईटी सेक्टर की दिग्गज विप्रो का तीन दशक का सफर खत्म...
>> बीएसई लिमिटेड (BSE Ltd) की ऐतिहासिक एंट्री...
>> कब से लागू होगा शेयर बाजार का यह अहम बदलाव?...
>> लागू होने की आधिकारिक तारीख और समय...
>> आखिर निफ्टी-50 से क्यों बाहर हुई दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो?...
>> फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट...
>> इंडेक्स क्राइटेरिया और पैसिव फंड्स का प्रभाव...
>> बीएसई की निफ्टी में एंट्री का मुख्य कारण मार्केट कैप में भारी उछाल...
>> 1.4 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा फ्री-फ्लोट मार्केट कैप...
>> डेरिवेटिव्स सेगमेंट और रिटेल पार्टिसिपेशन का योगदान...
>> विप्रो के शेयरों का हाल लगातार गिरते रिटर्न से निवेशक निराश...
>> शेयर प्राइस और हिस्टोरिकल रिटर्न का विश्लेषण...
>> बीएसई के शेयरों का कमाल 5 सालों में दिया 2700 फीसदी का बंपर रिटर्न...
>> मल्टीबैगर रिटर्न के आंकड़े...
>> निवेशकों के लिए अहम सलाह निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान...
>> पैसिव इनफ्लो और आउटफ्लो पर नजर रखें...
>> फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श लें...
>> निष्कर्ष (Conclusion)...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

भारतीय शेयर बाजार (Indian Share Market) में निवेश करने वाले ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक खबर सामने आई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 (Nifty-50 Index) में एक बड़ा फेरबदल होने जा रहा है।

करीब तीन दशकों (30 Years) तक निफ्टी-50 का अहम हिस्सा रहने के बाद देश की दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड (Wipro Ltd) इस प्रमुख सूचकांक से बाहर होने वाली है। वहीं, इसकी जगह एशिया के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज की लिस्टेड इकाई बीएसई लिमिटेड (BSE Ltd) की धमाकेदार एंट्री होने जा रही है।

इस ऐतिहासिक बदलाव का सीधा असर दोनों कंपनियों के शेयरों की कीमतों और मार्केट लिक्विडिटी पर पड़ने की संभावना है। यदिआप

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग और अपडेट्स पर नजर रखते हैं, तोशेयर बाजार की टाइमिंग में बड़ा बदलाव! जानें नया ट्रेडिंग समयपर भी नजर जरूर डालें।

निफ्टी-50 इंडेक्स में बड़ा उलटफेर: 3 दशक बाद विप्रो बाहर, बी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के निफ्टी-50 इंडेक्स में यह बदलाव भारतीय कॉर्पोरेट जगत के बदलते स्वरूप को दर्शाता है। एक समय भारतीय आईटी सेक्टर की रीढ़ मानी जाने वाली कंपनी विप्रो अब देश के शीर्ष 50 शेयरों के इंडेक्स से बाहर हो रही है।

आईटी सेक्टर की दिग्गज विप्रो का तीन दशक का सफर खत्म

विप्रो लिमिटेड पिछले करीब 30 वर्षों से निफ्टी-50 का प्रमुख हिस्सा रही है। भारतीय आईटी क्रांति के शुरुआती दिनों से लेकर वैश्विक स्तर पर सॉफ्टवेयर सर्विसेज देने तक, विप्रो ने भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, हाल के वर्षों में कमजोर वित्तीय प्रदर्शन के चलते यह बदलाव देखा गया है।

बीएसई लिमिटेड (BSE Ltd) की ऐतिहासिक एंट्री

दूसरी तरफ, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की मूल कंपनी BSE Ltd ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व वित्तीय विकास दर्ज किया है। डेरिवेटिव्स सेगमेंट में मजबूत ग्रोथ और एक्टिव निवेशकों की बढ़ती संख्या ने बीएसई को निफ्टी-50 में स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

कब से लागू होगा शेयर बाजार का यह अहम बदलाव?

NSE की इंडेक्स मेंटेनेंस सब-कमेटी द्वारा की गई छमाही समीक्षा (Semi-Annual Review) के बाद इस फैसले की आधिकारिक घोषणा की गई है। इस इंडेक्स रीबैलेंसिंग का पूरा शेड्यूल बाजार के लिए जारी कर दिया गया है।

लागू होने की आधिकारिक तारीख और समय

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह नया बदलाव29 सितंबरको शेयर बाजार में कारोबार समाप्त होने के बाद प्रभावी हो जाएगा। इसका अर्थ है कि30 सितंबरसे नए निफ्टी-50 इंडेक्स बास्केट में विप्रो की जगह बीएसई के शेयर आधिकारिक तौर पर ट्रेड करेंगे।

>> समीक्षा तिथि:सोमवार को संपन्न हुई NSE की छमाही समीक्षा बैठक।

>> विप्रो का अंतिम कारोबारी दिन (निफ्टी-50 घटक के रूप में):29 सितंबर की शाम तक।

>> प्रभावी तारीख:30 सितंबर से नई इंडेक्स संरचना पूरी तरह लागू होगी।

आखिर निफ्टी-50 से क्यों बाहर हुई दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो?

किसी भी कंपनी को निफ्टी-50 इंडेक्स में बने रहने के लिए निश्चित लिक्विडिटी, फ्री-फ्लोट मार्केट कैप और ट्रेडिंग वॉल्यूम के कड़े मानकों को पूरा करना होता है। विप्रो पिछले कुछ तिमाहियों से इन मानकों पर पिछड़ती नजर आ रही थी।

फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारी गिरावट

विप्रो के बाहर होने का सबसे मुख्य कारण उसका कमजोरफ्री-फ्लोट मार्केट कैप (Free-Float Market Cap)रहा है। पिछले छह महीनों के औसत आंकड़ों के मुताबिक, विप्रो का फ्री-फ्लोट मार्केट कैप घटकर लगभग55,930 करोड़ रुपयेरह गया था।

इंडेक्स क्राइटेरिया और पैसिव फंड्स का प्रभाव

निफ्टी-50 जैसे प्रमुख सूचकांकों में पैसिव म्यूचुअल फंड्स और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ETFs) का भारी निवेश होता है। जब कोई शेयर मार्केट कैप क्राइटेरिया में नीचे खिसकता है, तो नियमों के तहत उसका निष्कासन तय हो जाता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव को समझने के लिए आप945 करोड़ का मुनाफा, फिर भी औंधे मुंह गिरा वेदांता का यह शेयर!का विश्लेषण भी पढ़ सकते हैं।

बीएसई की निफ्टी में एंट्री का मुख्य कारण: मार्केट कैप में भा

जहां एक तरफ विप्रो का वैल्यूएशन दबाव में रहा, वहीं दूसरी तरफ बीएसई लिमिटेड ने बाजार पूंजीकरण के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

1.4 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा फ्री-फ्लोट मार्केट कैप

छह महीने की समीक्षा अवधि के दौरान BSE Ltd का फ्री-फ्लोट मार्केट कैप तेजी से बढ़ते हुए1.4 लाख करोड़ रुपयेके स्तर को पार कर गया। यह आंकड़ा विप्रो के फ्री-फ्लोट मार्केट कैप की तुलना में दोगुने से भी अधिक है।

डेरिवेटिव्स सेगमेंट और रिटेल पार्टिसिपेशन का योगदान

>> ऑप्शंस ट्रेडिंग में तेज वृद्धि:बीएसई के बैंकएक्स और सेंसेक्स कॉन्ट्रैक्ट्स में वॉल्यूम काफी बढ़ा है।

>> मजबूत रेवेन्यू ग्रोथ:ट्रांजैक्शन चार्ज और लिस्टिंग फीस से कंपनी की आय में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई है।

>> हाई लिक्विडिटी:शेयर में संस्थागत (FIIs DIIs) और रिटेल निवेशकों की निरंतर भागीदारी रही है।

विप्रो के शेयरों का हाल: लगातार गिरते रिटर्न से निवेशक निराश

विप्रो के शेयरों ने लंबी अवधि के निवेशकों को पिछले कुछ सालों में निराशाजनक रिटर्न दिया है। आईटी सेक्टर में व्यापक सुस्ती और कंपनी की आंतरिक चुनौतियों ने इसके शेयर प्रदर्शन को प्रभावित किया है।

शेयर प्राइस और हिस्टोरिकल रिटर्न का विश्लेषण

कारोबारी सप्ताह की शुरुआत में विप्रो का शेयर लगभग186 रुपयेके स्तर पर खुला। तकनीकी रूप से शेयर में कमजोरी साफ तौर पर देखी जा सकती है:

>> 1 साल का प्रदर्शन:पिछले एक साल में विप्रो के शेयर में लगभग23% की गिरावटदर्ज की गई है।

>> 5 साल का प्रदर्शन:पिछले पांच वर्षों के दौरान इस शेयर ने निवेशकों को लगभग40% का नेगेटिव रिटर्नदिया है।

बीएसई के शेयरों का कमाल: 5 सालों में दिया 2700 फीसदी का बंपर

विप्रो के विपरीत, बीएसई लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न देकर उनकी संपत्ति में कई गुना इजाफा किया है। यह स्टॉक हाल के वर्षों के सबसे बड़े वेल्थ क्रिएटर्स में शामिल रहा है।

मल्टीबैगर रिटर्न के आंकड़े

ताजा कारोबारी सत्र में मामूली नरमी के साथ बीएसई का शेयर3,565 रुपयेके आसपास ट्रेड करता दिखाई दिया। इसके रिटर्न का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है:

>> 1 साल का रिटर्न:बीते एक साल में कंपनी ने निवेशकों को करीब50% का शानदार रिटर्नदिया है।

>> 5 साल का रिटर्न:पिछले 5 वर्षों में यह शेयर2700% से अधिकउछल चुका है, जिसने निवेशकों को अप्रत्याशित मुनाफा कराया है।

यदि आप शेयर बाजार के अलावा किसी वैकल्पिक आय स्रोत पर विचार कर रहे हैं, तो5 लाख लगाकर हर महीने 70,000 की कमाई, शुरू करें डेयरी बिजिनेसके बारे में भी जानकारी ले सकते हैं।

निवेशकों के लिए अहम सलाह: निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्य

निफ्टी-50 इंडेक्स में रीबैलेंसिंग के कारण आने वाले दिनों में दोनों ही शेयरों में भारी ट्रेडिंग वॉल्यूम और वोलैटिलिटी (उतार-चढ़ाव) देखने को मिल सकती है।

पैसिव इनफ्लो और आउटफ्लो पर नजर रखें

इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ विप्रो के शेयरों की बिक्री करेंगे, जबकि बीएसई के शेयरों की नई खरीदारी की जाएगी। इस कारण शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स को स्टॉप-लॉस का सख्त पालन करना चाहिए।

फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श लें

डिस्क्लेमर:शेयर बाजार में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है। किसी भी स्टॉक या इंडेक्स में निवेश का निर्णय लेने से पहले अपने प्रमाणित सेबी रजिस्टर्ड वित्तीय सलाहकार (Financial Advisor) से सलाह जरूर लें।

निष्कर्ष (Conclusion)

निफ्टी-50 से विप्रो का बाहर होना और बीएसई लिमिटेड का इसमें शामिल होना भारतीय पूंजी बाजार की विकास यात्रा का एक नया अध्याय है। यह बदलाव साबित करता है कि मजबूत फंडामेंटल्स, बढ़ता मार्केट कैप और बिजिनेस ग्रोथ ही किसी कंपनी को देश के शीर्ष इंडेक्स में बनाए रख सकते हैं। 30 सितंबर से लागू होने वाले इस फैसले का असर बाजार के विभिन्न सेक्टर्स पर साफ नजर आएगा।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

निफ्टी-50 इंडेक्स में आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड (Wipro Ltd) की जगह बीएसई लिमिटेड (BSE Ltd) को शामिल किया जा रहा है।

यह बदलाव 29 सितंबर को मार्केट क्लोजिंग के बाद लागू हो जाएगा और 30 सितंबर से बीएसई लिमिटेड आधिकारिक तौर पर निफ्टी-50 में ट्रेड करेगी।

विप्रो का छह महीने का औसत फ्री-फ्लोट मार्केट कैप घटकर करीब 55,930 करोड़ रुपये रह गया था, जो इंडेक्स के शीर्ष मानकों के मुकाबले काफी कम था।

समीक्षा अवधि के दौरान बीएसई लिमिटेड का छह महीने का फ्री-फ्लोट मार्केट कैप तेजी से बढ़ते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

विप्रो ने पिछले 5 सालों में लगभग 40 फीसदी का निगेटिव रिटर्न दिया है, जबकि बीएसई के शेयर ने पिछले 5 सालों में 2700 फीसदी से अधिक का बंपर पॉजिटिव रिटर्न दिया है।

हां, इंडेक्स ट्रैकिंग पैसिव फंड्स और ईटीएफ द्वारा पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग के कारण विप्रो में बिकवाली और बीएसई के शेयरों में नया इनफ्लो (खरीदारी) देखने को मिल सकता है।